यूविआइटिस

✦ यूविआइटिस क्या है ?

यूविया आँख के तीन परत/आवरण में बीच का हिस्सा है, जिसमें आईरिस, सिलिअरी बॉडी और कोरोइड का समावेश होता है । इनमें से किसी भी हिस्से के इन्फलेमेशन (या सूजन) को यूविआइटिस कहते हैं ।

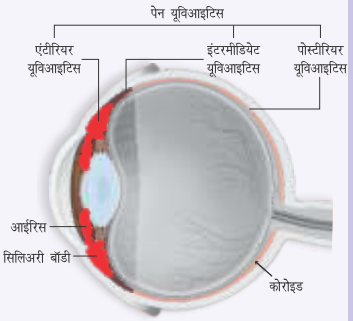

✦ यूविआइटिस कैसे होता है ?

शरीर के किसी अंग का लाल होना, अंग में सूजन होना, अंग में दर्द होना और अंग की कार्य क्षमता में कमी आना - यह इन्फलेमेशन के लक्षण हैं । आँख में यूविया में इन्फलेमेशन विभिन्न कारणों से हो सकता है । आँख मे चोट लगना, एंटीजन के विरूद्ध प्रतिक्रिया (Autoimmune reaction) होना एवं आँख में सूक्ष्म जीवों का संक्रमण इसके प्रमुख कारण हैं । यह प्रतिक्रिया बैक्टीरिया, वायरस, फंगस या पेरासाइट के विरूद्ध हो सकता है। यह प्रतिक्रिया रूमेटॉइड आर्थराइटिस (गठिया), सिस्टमिक लुपस एरिथेमेटॉसस इत्यादि autoimmune रोग के मरीज़ों में हो सकता है । कई बार यूविआइटिस के लिए कोई कारण नही मिल पाता है ।

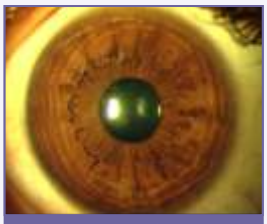
सामान्य आँख

✦ यूविआइटिस के कितने प्रकार हैं ?

यूविआइटिस के चार प्रकार होते हैं ।

- एंटीरियर यूविआइटिस (आईरिस का इन्फलेमेशन)
- इंटरमीडियेट यूविआइटिस (सिलिअरी बॉडी का इन्फलेमेशन)
- पोस्टीरियर यूविआइटिस (कोरोइड का इन्फलेमेशन)
- पेनयूविआइटिस (आईरिस, सिलिअरी बॉडी एवं कोरोइड का इन्फलेमेशन)

एंटीरियर यूविआइटिस

✦ यूविआइटिस के लक्षण क्या होते हैं ?

- आँख लाल होना
- आँख में दर्द
- आँख से पानी आना
- प्रकाश की असहनीयता
- दृष्टि कम होना

सामान्य रेटीना

✦ यूविआइटिस के मरीज़ को कौन सी जांच करनी चाहिए ?

यूविआइटिस का कारण पता करने के लिए आपके नेत्र विशेषज्ञ आपको यह जांच करने की सलाह दे सकते हैं -

- **खून के विविध जांच**
- **आँख की एंजियोग्राफी**
- **एक्स-रे**
- **सि.टी. स्केन/एम.आर.आई.**

इन जांच के परिणाम के आधार पर आपके नेत्र विशेषज्ञ आपको शरीर के संलग्न रोग के उपचार के लिये अन्य चिकित्सक से परामर्श की सलाह दे सकते हैं ।

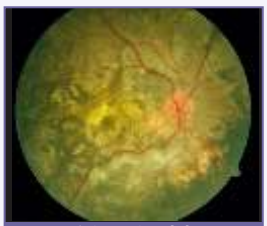
मल्टीफोकल कोरॉइडिटिस

✦ यूविआइटिस का इलाज क्या है ?

- स्टेरॉयड यूविआइटिस के इलाज की मुख्य दवा है । यूविआइटिस के प्रकार और गंभीरता के अनुसार विविध रूप में स्टेरॉयड दिए जा सकते हैं । यूविआइटिस की गंभीरता के अनुसार दवा की डोज़ और अवधि तय की जाती है और सूजन पूर्ण रूप से ठीक होने तक दवा को धीरे-धीरे कम किया जाता है ।
- स्टेरॉयड आई ड्रॉप एंटीरियर एवं इंटरमीडियेट युविआइटिस का मुख्य इलाज है । स्टेरॉयड के साथ दर्द कम करने के लिए पुतली फैलाने वाली दवा दी जाती है । पोस्टीरियर यूविआइटिस या पेनयूविआइटिस में स्टेरॉयड टेबलेट या आंख के बाहर इंजेक्शन (सबटिनन) दिये जाते हैं ।
- यूविआइटिस में शरीर की रोग प्रतिकारक शक्ति कम करने वाली दवा (Immunosuppressive agents) दी जा सकती है ।

✦ यूविआइटिस के इलाज के क्या साइड इफेक्ट हैं ?

- स्टेरॉयड और रोग प्रतिकारक शक्ति कम करने वाली दवाईयों की साइड इफेक्ट इलाज के दौरान या इलाज बन्द करने पर प्रतिवर्तीत होती है । इन दवाईयों को हमेशा चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही लेना चाहिए और चिकित्सक की सलाह के बिना इलाज शुरू या बन्द नही करना चाहिए ।
- स्टेरॉयड ड्रॉप से मोतियाबिंद, कॉचियाबिंद(ग्लॉकोमा) हो सकता है ।
- स्टेरॉयड की टेबलेट से पेट में जलन, वज़न बढ़ना, मधुमेह, हाइपरटेंशन, ऑस्टियोपोरोसिस या निराशा हो सकते हैं ।
- रोग प्रतिकारक शक्ति कम करने वाली दवा से रक्त कण और श्वेत कण कम होते हैं, जिनसे शरीर में अन्य संक्रमण हो सकते हैं । मुंह में छाले या यकृत (लिवर) में खराबी हो सकती है । इन मरीजों को नियमित रूप से खून के जांच करवाना जरूरी है ।
- महिला को इन दवाईयों से इलाज़ के दौरान गर्भधारण करना हितावह नही है । गर्भवती महिलाओं को इन दवाईयों का सेवन नही करना चाहिए ।

जटिल मोतियाबिंद

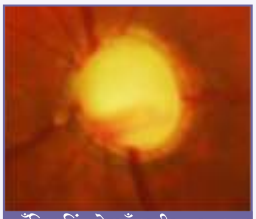
कॉचियाबिंद से आँख की नस सूखना

✦ क्या यूविआइटिस इलाज के बाद दोबारा हो सकता है ?

- हाँ । यूविआइटिस बारबार हो सकता है, इसलिए आँख लाल होने पर या आँख में दर्द होने पर अपने नेत्र चिकित्सक को दिखाना जरूरी है।

✦ यूविआइटिस की क्या जटिलता हैं ?

- यूविआइटिस के कारण मोतियाबिंद, कॉचियाबिंद या मेकूलर इडीमा (मेकूला की सूजन) हो सकता है जिसका इलाज करना आवश्यक है।
- यूविआइटिस बार-बार होने पर या पूर्णतः इलाज़ न किये जाने पर थायसिस बलबाई (आँख सिकुड़ जाना) हो सकता है ।

थायसिस बलबाई

✦ यूविआइटिस से दृष्टि हानि हो सकती है ?

- अगर यूविआइटिस का ठीक से इलाज़ न किया जाये तो दृष्टि हानि हो सकती है । हालांकि निदान की आधुनिक पद्धति और इलाज से संतोषप्रद परिणाम संभव हैं ।

MGM Eye Institute
5th Mile, Vidhan Sabha Road, Raipur (C.G.) 493111
Ph: 0771-2970670, 71, 72; Website: www.mgmeye.org